हर कौशल विकास केंद्र का 3 माह में एक बार करें निरीक्षण

उपायुक्त डॉ. ऋचा वर्मा ने अधिकारियों को दिए आदेश

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

उपायुक्त डॉ. ऋचा वर्मा ने जिला रोजगार अधिकारी तथा कौशल विकास योजना के तहत गठित जिला स्तरीय समिति के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह तीन महीने में एक बार प्रत्येक कौशल विकास केंद्र का औचक निरीक्षण करें। वे सोमवार को कौशल विकास भत्ता के अंतर्गत जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जिला में कौशल विकास भत्ता योजना के अंतर्गत 30 जून तक 19 हजार 343 लाभार्थियों को 18 करोड़ 31 लाख रुपये की राशि कौशल विकास भत्ता के रूप में उपलब्ध करवाई गई है। डीसी ने कहा कि अधिकारी योजना के अंतर्गत जिला में संचालित किए जा रहे समस्त सरकारी तथा गैर सरकारी केंद्रों की नियमित चेकिंग करें तथा यदि कोई कमी पाई जाती है तो केंद्र संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें। इसके अतिरिक्त जिला कमेटी द्वारा जिले में कौशल विकास योजना के तहत बंद पड़े 6 कौशल विकास केंद्रों में कौशल विकास भत्ता को हटाकर उन्हें बंद करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त रत्न गौतम, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र विजय चौधरी, जिला रोजगार अधिकारी योग राज धीमान के अलावा औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र हमीरपुर व बहुतकनीकी संस्थान बड़ू के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

- जिले के 19 हजार 343 लाभार्थियों को दिए 18 करोड़ 31 लाख रुपये

कौशल विकास भत्ता योजना के तहत जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करतीं उपायुक्त डॉ. ऋचा वर्मा।

भोरंज ब्लॉक में दो केंद्रों को संचालित करने के आदेश

डीसी ने भोरंज विकास खंड के अंतर्गत शिफ्ट किए गए दो कौशल विकास केंद्रों को एक मुश्त छूट देते हुए उपमंडल स्तरीय समिति की शिफारिश पर उन्हें संचालित करने की अनुमति प्रदान की। साथ ही इन केंद्रों में प्रशिक्षण ले रहे लाभार्थियों को अप्रैल से कौशल विकास भत्ता देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

कर्मचारी आयोग ले टी-मेट की परीक्षा

नादौन। प्रदेश सरकार विद्युत विभाग में टी-मेट की भर्ती करने जा रही है, जिसमें दसवीं की मेरिट को भर्ती का मुख्य आधार बनाया गया है। भर्ती प्रक्रिया पर असंतोष जताते हुए इलेक्ट्रीशियन आईटीआई डिप्लोमा होल्डर प्रविंद्र कुमार, रजनीश, रजनीकांत, रवि, अनीश, रोहित, प्रिंस, कुश, मनीष, राहुल आदि ने बताया कि ऐसे में दसवीं कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को ही नौकरी मिलने की संभावना है, जबकि ऐसे आईटीआई होल्डर जिनकी आईटीआई में तो अच्छी रैंकिंग है लेकिन10वीं में ज्यादा नंबर नहीं है, उनके लिए नौकरी पाने की संभावना काफी कम हो जाएगी। युवाओं ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया है कि विद्युत विभाग में टी-मेट की परीक्षा को प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से करवाया जाए, ताकि सभी के लिए नौकरी के समान अवसर प्राप्त हों। उक्त युवाओं ने बताया कि भारतीय रेलवे में भी ग्रुप-डी के पदों की भर्ती लिखित परीक्षा के आधार पर करवाई जा रही है और टी-मेट भर्ती भी ग्रुप डी में ही आती है। अतः रेलवे विभाग की तर्ज पर विद्युत विभाग भी लिखित परीक्षा आयोजित कर भर्ती करे। युवाओं ने चेताया कि अगर प्रदेश की भाजपा सरकार ने उनकी मांग को नजरअंदाज किया तो वे इस मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

सांसद मोबाइल स्वास्थ्य कैंप में 500 का किया चेकअप

विधायक कमलेश ने सांसद के प्रयासों को सराहा

धमरोल में सांसद मोबाइल स्वास्थ्य मेडिकल सेवा के तहत लगाए गए मेडिकल कैंप में उपस्थित लोग।

हिमाचल दस्तक। भोरंज

सोमवार को धमरोल में सांसद मोबाइल स्वास्थ्य मेडिकल सेवा के तहत लगाए गए मेडिकल कैंप में गांव उखलसहा के सूडू राम ने 11000वें मरीज के रूप में अपना चेकअप करवाया। सूडू राम को विधायक कमलेश कुमारी ने सम्मानित भी किया। इस कैंप में 500 रोगियों का चेकअप किया गया। उन्हें निशुल्क टेस्ट तथा दवाइयां भी वितरित की गई। जानकारी के मुताबिक सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा के तहत दो महीने में साढ़े 11 हजार रोगियों का निशुल्क चेकअप किया जा चुका है। विधायक कमलेश कुमारी ने कहा कि सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा अपने आप में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य सेवा के तहत चार विधानसभा क्षेत्रों भोरंज, धर्मपुर, सुजानपुर तथा झंडूत्ता की 160 पंचायतों में कैंप आयोजित किए जा चुके हैं। भोरंज की 44 पंचायतों में 3308 रोगियों का चेकअप किया गया है, जबकि धर्मपुर की 31 पंचायतों में 2231, झंडूत्ता की 39 पंचायतों में 2570, सुजानपुर की 46 पंचायतों में 3393 रोगियों की जांच की गई है। अब तक 11502 लोगों का निशुल्क चेकअप किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य पर आवाहदेवी से शुरू हुई थी। विधायक ने सेवा को भोरंज विधानसभा क्षेत्र में आरंभ करने के लिए सांसद अनुराग ठाकुर का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर प्रयास संस्था के सदस्य धर्मचंद वर्मा , योगेंद्र राठौर, कृष्ण चंद, विधि चंद, विजय कुमार, विपिन चैधरी बृजलाल भरवाल, मंडलाध्यक्ष जयमल ठाकुर, महामंत्री अशोक, उपाध्यक्ष शशि शर्मा, महिला मोर्चा महामंत्री वीना कुमारी, पूर्व जिला परिषद सदस्य चुनी लाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

- अब तक साढ़े 11 हजार लोगों की हो चुकी है जांच

जाहू-भरेड़ी मार्ग का होगा कायाकल्प

प्रधानमंत्री ग्राम योजना के तहत नए सिरे से होगा निर्माण

हिमाचल दस्तक। भरेड़ी

जाहू से भरेड़ी वाया धमरोल सड़क का प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से रखरखाव होगा। नए सिरे से सड़क के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग ने 365 लाख की डीपीआर तैयार की है, जिसे राज्य से स्वीकृति मिलने के बाद केंद्र सरकार की स्वीकृति के लिए भेज दिया है। जाहू से भरेड़ी वाया भौरए धमरोल सड़क हमीरपुर, सरकाघाट व अवाहदेवी को जोड़ती है। पुरानी सड़क होने व वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी होने की वजह से सड़का का पुनः निर्माण किया जाना जरूरी था।

विभाग से मिली जानाकरी के अनुसार सड़क के दोनों तरफ पानी की निकासी के लिए पक्की नालियों और पुलियों का निर्माण भी होगा। जगह-जगह साइन बोर्ड लगेंगे और वाहनों को पास देने के लिए उचित स्थान होंगे। भोरंज उपमंडल में अकेली सड़क होगी, जिसका प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण किया जाएगा। धमरोल पंचायत प्रधान विजय कुमार, भलवाणी पंचायत प्रधान संजीव अंगारिया, लुद्दर पंचायत प्रधान सुरेंद्र शर्मा, जाहू पंचायत प्रधान राजू का कहना है कि जाहू से भरेड़ी सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनने पर खराब सड़क से हमेशा के लिए निजात मिलेगी।

- विभाग ने तैयार की 3.65 करोड़ रुपये की डीपीआर

जूनियर ड्राफ्ट्समैन की परीक्षा का परिणाम घोषित

हमीरपुर। प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग ने जूनियर ड्राफ्ट्समैन पोस्ट कोड (615) परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा में 16 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

615000056, 615000087, 615000138, 615000207, 615000266, 615000275, 615000286, 615000307, 615000317, 615000337, 615000362, 615000441, 615000555, 615000586, 615000607, 615000610

पक्षियों पर किताब प्रकाशित करेगा वन्य जीव विभाग

वेटलैंड पौंग में आने वाले विदेशी पक्षियों के बारे में मिलेगी जानकारी

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

पक्षी प्रेमी अब पौंग क्षेत्र में आने वाले मेहमान परिंदों के बारे में जान सकेंगे। विदेशी पक्षियों के बारे में वन्य जीव विभाग किताब प्रकाशित करेगा। पौंग क्षेत्र में आने वाले विदेशी पक्षियों के बारे में इस किताब के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। वन्य जीव विभाग ने किताब प्रकाशन के लिए कार्य शुरू कर दिया है। इस किताब में पक्षियों की संख्या, उनके खाने-पीने और रहने आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। पौंग क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को वन्य जीव विभाग यह किताब उपलब्ध करवाएगा। इसके साथ वन विभाग के सभी स्टाफ सदस्यों को यह किताब उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि, कर्मचारियों को भी इन पक्षियों के बारे में जानकारी हो। इस किताब में यह भी बताया जाएगा कि पूरे विश्व में इनकी क्या स्थिति है। जो लोग वन्य जीवों से लगाव रखते हैं, उन लोगों के लिए यह किताब काफी लाभदायक होगी। इसके साथ ही पक्षियों के संरक्षण में भी इससे लाभ होगा और लोगों का पक्षियों के प्रति रुझान बढ़ेगा। इस संबंध में वन्य प्राणी मंडल हमीरपुर के डीएफओ कृष्ण कुमार का कहना है विदेशी पक्षियों पर किताब छापने का कार्य चला हुआ है। कुछ ही दिनों में इस किताब को लांच किया जाएगा। इस किताब में पक्षियों की विश्व में कितनी संख्या है, वर्तमान में इसकी संख्या घट रही है या बढ़ रही और इनकी संख्या कम होने का क्या कारण है आदि के बारे में बताया जाएगा।

- पौंग में आने वाले पर्यटकों को दी जाएंगी किताबें

पंचायत प्रतिनिधियों को दी 'जनमंच' की जानकारी

रमित शर्मा। भोरंज

भरेड़ी में पांच अगस्त को आयोजित होने वाले जनमंच कार्यक्रम तथा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सोमवार को स्वयं सहायता समूहों तथा पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूक किया गया। वहीं, विकास खंड अधिकारी कार्यालय में जनमंच की तैयारियों को लेकर बीडीओ कीर्ति चंदेल की अध्यक्षता में बैठक भी आयोजित की गई। कीर्ति चंदेल ने कहा कि जनमंच कार्यक्रम में आम जनमानस की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी तथा पंचायत स्तर पर पंचायत सचिवों के माध्यम से आवेदन अपलोड किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से आग्रह किया कि जनमंच के तहत निर्धारित शिकायतों को समय पर अपलोड करवाना सुनिश्चित करें, ताकि दस दिन के भीतर ही समस्याओं का निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। जनमंच कार्यक्रम के तहत चयनित पंचायतों सोलह पंचायतें चयनित की गई हैं जिनमें विकास खंड भोरंज की पपलाह, कक्कड़, धमरोल, लुद्दर महादेव, हणोग, धनेड़, अमरोह, करसाड़, जाहू, भोरंज, टिक्करी मिन्हासां जबकि बमसन की बधानी, बजडोह, चंबोह, कंज्याण, कोट लंगासा पंचायतें शामिल की गई हैं।

- कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बीडीओ ने ली बैठक

चयनित पंचायतों में चला स्वच्छता अभियान

बीडीओ ने कहा कि जनमंच के तहत चयनित पंचायतों में स्वच्छता अभियान के साथ पारंपरिक पेयजल स्रोतों की भी सफाई की जा रही है, जबकि मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण भी किया गया है। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों को निर्देश दिए कि जनमंच के बारे में आम लोगों तक जानकारी पहुंचाएं तथा लोगों के आवेदनों को तुरत ई-समाधान भी अपलोड करें। उन्होंने कहा कि जनमंच कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी मुहैया करवाई जाएगी। इसके साथ ही निशुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा।

जनमंच कार्यक्रम के लिए चयनित गांव की साफ-सफाई करते लोग।

विकास कार्यों को मंजूर की राशि

विधायक राणा ने किया सुजानपुर के गांवों का दौरा

हिमाचल दस्तक। सुजानपुर

विधायक राजेंद्र राणा ने तीसरे दिन लगातार सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दौरे व ग्रामीणों से मिलने का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने सपाहल ग्राम पंचायत के कसीरी गांव में लिंक रोड के निर्माण के लिए डेढ़ लाख, जंदडू में सराय भवन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए एक लाख रुपये व ग्राम पंचायत खनौली के गांव फंगुआ दा ग्रा में सड़क के निर्माण के लिए दो लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। इसके अलावा राणा ने कुछ अन्य पंचायतों का भी दौरा किया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। वहां चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। राजेंद्र राणा ने कहा कि वह पूरी ईमानदारी के साथ इलाके की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस इलाके की जनता ने उनके प्रति जो विश्वास जताया है, उस विश्वास पर कभी आंच नहीं आने दी जाएगी।

- बोले, केवल जुमले ही साबित हुए भाजपा नेताओं के वादे

उन्होंने कहा प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कार्यों में अड़ंगा लगाए जाने के बावजूद सुजानपुर के हितों की पहरेदारी में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और भेदभाव के इस दौर का हर स्तर पर मुकाबला किया जाएगा। राजेंद्र राणा ने बढ़ती महंगाई और वायदे पूरे न करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि जनता अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा नेताओं को उनकी वादाखिलाफी का करारा सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। उन्होंने कहा भाजपा नेताओं के वादे महज जुमले साबित हुए हैं और जनता मोदी शासन में खुद को भाजपा नेताओं के हाथों ठगा हुआ महसूस कर रही है।

बरसात ने बिगाड़ी बड़सर की सड़कों की सूरत

बड़सर। बरसात में सड़कों की बदहाली ने विभाग की कार्यप्रणाली की पोल खोल कर रख दी है। बिझड़ी-भोटा वाया रोपड़ी सड़क मार्ग जानलेवा साबित होने लगा है। खड्ड का रूप धारण कर चुके मार्ग पर सफर करना खतरे से खाली नहीं है। मार्ग जगह-जगह से उखड़ चुके हैं। कई जगह ल्हासे गिरने से मार्ग पर पत्थर व कीचड़ आ गया है। इस कारण वाहन चालकों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। पपलोहल के समीप शुक्र खड्ड में पानी का बहाव तेज होने से छोटे वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। सड़क के किनारे पानी की निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का सारा पानी सड़क पर एकत्रित हो रहा है। ऐसे में लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। उधर, सहायक अभियंता अनिल कुमार ने कहा कि कई ऐसे संपर्क मार्ग, जिनमें समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय लेवर की कमी के चलते समस्या पैदा हो रही है। मौसम साफ होते ही खराब चल रही सड़कों की दशा सुधार दी जाएगी।

अवाहदेवी में उड़ रही स्वच्छता अभियान की धज्जियां

अवाहदेवी। एक तरफ जहां देश और प्रदेश को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं हमीरपुर और मंडी दो जिलों की कुलदेवी अवाहदेवी कस्बे में इस अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहां शौचालय की व्यवस्था न होने से दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु खुलेआम शौच जाने पर मजबूर हैं। हालांकि वर्ष 2005 में यहां एक अदद शौचालय का निर्माण किया गया गया था। जिस पर प्रशासन ने 4.50 लाख खर्च किए थे। तत्कालीन बाजार सुधार सभा ने कस्बे के व्यवसायियों से शौचालय व बाजार की साफ-सफाई व रख-रखाव के लिए मासिक चंदा तय किया था जो करीब एक साल तक चलता रहा। बाद में 70 फीसदी व्यवसायियों ने चंदा देने से मना कर दिया। नतीजतन सफाई न होने की वजह से अब यह पूर्णत3 खंडहर में तब्दील हो चुका है। चारों तरफ झाड़ियां उग आई हैं। छत्त व दीवारों पर सीलन आने से दरारें आ चुकी हैं। बगवाड़ा पंचायत जिसके तहत शौचालय पड़ता है ने भी इसके सिरे पर एक पट्टिका ठोंक रखी है। जिस पर लिखा है शौचालय की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इसका इस्तेमाल न करें।

उपभोक्ताओं को लूट रहा विद्युत विभाग : प्रदीप

हिमाचल दस्तक। जलाड़ी

विद्युत बिलों में सर्विस चार्ज में 10 रुपये की बढ़ोतरी की कांग्रेस ने निंदा की है तथा सर्विस चार्ज को तुरंत वापस लेने की मांग की है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए नादौन ब्लॉक कांग्रेस के प्रवक्ता एडवोकेट प्रदीप रतन ने कहा कि विद्युत विभाग की सेवाएं बदहाल हैं और ऐसे सर्विस चार्ज बढ़ाना उपभोक्ताओं के साथ मजाक है तथा उनसे एक प्रकार की जबरन वसूली है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे लगभग कोई 10 बार बिजली चली जाती है। महीने के एक दिन मेंटिनेंस के नाम पर लगभग 7-8 घंटे बिजली बंद रखी जाती है। जब विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं ही नहीं दे पा रहा है तो सर्विस चार्ज में इजाफा किस बात का। विभाग के पास न तो पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी हैं और न ही उपकरण उपलब्ध रहते हैं। अगर किसी के घर की बिजली की सप्लाई में फॉल्ट आता है तो उसे ठीक करने के लिए विद्युत कर्मचारी ही नहीं मिलता है। विद्युत विभाग अव्यवस्थाओं की पोटली बना है तथा इस पोटली से नित नई परेशानी निकल रही है।

लेटलतीफी — दो साल से शिमला में धूल फांक रही हमीरपुर रोजगार कार्यालय भवन की फाइल

जमीन-बजट मंजूर, पर फिर भी शुरू नहीं हुआ निर्माण

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। हमीरपुर

रोजगार विभाग हमीरपुर में दो साल से मंजूर जमीन में अपने भवन का निर्माण शुरू नहीं कर पाया है। इसके लिए करीब पौने दो करोड़ का बजट भी मंजूर हो गया है। यहां बनने वाले आलीशान भवन को मॉडल करियर गाइडेंस सेंटर का नाम भी दिया जाना था। इसमें बेरोजगारों की काउंसिलिंग के साथ रोजगार कार्यालय, श्रम निरीक्षक कार्यालय सहित कामगार कल्याण बोर्ड का कार्यालय भी स्थापित होना था, लेकिन अभी तक इसका निर्माण शुरू होना तो दूर की बात, टेंडर प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो सकी है। शिमला से पूरी होने वाले औपचारिकताओं के बारे में जिला रोजगार अधिकारी तक अनजान हैं। उधर, जिला के बेरोजगार युवा हमीरपुर में मिलने वाली इस नई सुविधा के इंतजार में बैठे हैं। बता दें कि हमीरपुर में करीब तीन दशक से एक तंग हाल किराए के भवन में जिला रोजगार कार्यालय, लेबर इंस्पेक्टर का कार्यालय और करीब 4 साल से पंजीकृत मजदूरों को सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए कामगार कल्याण बोर्ड का कार्यालय चल रहा है। इसमें कर्मचारियों और अधिकारियों को बैठने के लिए सही स्पेस नहीं, ऊपर से हर साल बढ़ता रिकॉर्ड उनकी परेशानी अलग से बड़ा रहा है। नई आधुनिक सुविधाओं को अलग से स्थापित करवाना यहां ढेरी खीर बना हुआ है। सैकड़ों लोगों को इन कार्यालयों में आना-जाना लगा रहता है। उनको एक तंग गैलरी में खड़े होकर अपने सारे काम निपटाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

दशकों से इस भवन में रोजगार कार्यालय का कब्जा होने के चलते अब मकान मालिक भी इसे खाली करवाने के लिए तैयार हो गया है। उसने करीब दो साल पहले नोटिस देकर इसे खाली करवाने का अपना इरादा जाहिर कर दिया था। लेकिन विभाग ने उनसे गुहार लगाकर अलग से सही जगह मिलने तक और अपनी बिल्डिंग तैयार होने तक यहां पहले की तरह किराए पर काम जारी रखने की गुहार लगाई थी। उसके बाद थोड़ा मामला शांत हुआ था। लेकिन विभाग ने अपनी बिल्डिंग का मामला इसी तरह ठंडे बस्ते में डाले रखा तो इसे खाली करवाने का मामला फिर से सुलग सकता है।

- तीन दशक से किराए के भवन में चल रहा कार्यालय

भवन निर्माण को करीब एक कनाल जमीन बाईपास के साथ मंजूर हो चुकी है। करीब पौने दो करोड़ रुपये का बजट भी मंजूर है। पीडब्ल्यूडी को निर्माण एजेंसी बनाया गया। इसके लिए सारी औपचारिकताएं शिमला से पूरी होनी हैं।

-योगराज धीमान, जिला रोजगार अधिकारी

INOX WIND LIMITED

CIN: L31901HP2009PLC031083

Registered Office: Plot No. 1, Khasra No. 264 to 267, Industrial Area, Village - Basal, District Una – 174 303, Himachal Pradesh, India, **Phone/Fax:** +91-1975-272001

Email: investors.iwl@inoxwind.com; **Website:** www.inoxwind.com

NOTICE

Notice is hereby given pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 that a Meeting of the Board of Directors of the Company is scheduled to be held on Tuesday, the 07th August, 2018, inter-alia, to consider, approve and take on record the Standalone and Consolidated Unaudited Financial Results of the Company for the quarter ended 30th June, 2018.

The above information is also available on the websites of the Company www.inoxwind.com, BSE www.bseindia.com and NSE www.nseindia.com.

For **Inox Wind Limited**

Sd/-

Deepak Banga

Company Secretary

Place: Noida

Date: 30th July, 2018